श्रेया
और उसके
जादुई सपने

प्रिय श्रेया

जब तारों की चमक बिखरती है और सारी दुनिया
मीठी नींद में सो जाती है,तब तुम अपनी आँखें बंद करती हो
और सपनों की दुनिया में उड़ चल पड़ती हो।

Scan for
Digital Copy

जादुई नींद

जब आसमान में तारे चमकते हैं और
चाँदनी मुस्कराती है, मैं अपने
बिस्तर में दुबक कर धीरे से कहती हूँ —
"शुभ रात्रि!" पर असली जादू तो तभी
शुरू होता है, जब मेरे सपने उड़ान भरते
हैं दिलों की उस प्यारी सी दुनिया में।
आज रात मैं कौन बनूंगी — यही सोचती
हूँ मैं। चलो, अब तुम भी आँखें बंद
करो... और मेरे साथ एक सपना देखो!

श्रेया

छोटी डॉक्टर, बड़ा कमाल

मैं सफेद कोट में डॉक्टर हूँ प्यारी
स्टेथोस्कोप गले में, हूँ सबसे न्यारी।
नन्हें हाथों में है ममता भरी
बच्चों की देखभाल है सबसे ज़रूरी।

हर धड़कन को ध्यान से सुनती,
हर मुस्कान में दवा बुनती।
प्यार और देखभाल से करती इलाज,
हर दिन देती सेहत का संदेश।

“गहरी साँस लो,” मैं धीरे से कहती,
हर दोस्त को अच्छा महसूस कराती।
हर दिन मैं बनती प्यार की साथी,
डॉक्टर श्रेया सबकी सच्ची साथी

श्रेया
नन्ही रक्षक

अब मैं बनी पुलिसवाली सच्ची,
निडर, साहसी और सबसे अच्छी।
अपने शहर की रक्षा करती,
हर किसी की मदद मैं करती।

पपी को बचाया, दोस्त दिलाया,
प्यार-सुरक्षा का पाठ सिखाया।
हर डर को मैं कर दूँ दूर,
लाऊँ जीवन में शांति भरपूर।

जहाँ कहीं भी डर दिखाई दे,
वहीं पहुँचूँ मैं बिना देर किए।
नाम है मेरा 'श्रेया' सब जानें,
साहस की मिसाल मुझे ही मानें।

श्रेया
अंतरिक्ष की नन्ही यात्री

मैं तैरती हूँ तारों के बीच,
ग्रह-उल्का बने मेरी रीत।
रॉकेट मेरा चले बेमिसाल,
सूट पहनूँ मैं कमाल।

खामोश नभ, चमकती रात,
सैर में होती नई बात।
“हैलो चाँद! हैलो मंगल!” कहती,
हर तारे से मिलकर हँसती।

मैं हूँ छोटी सी पर समझदार,
सपनों से करती विज्ञान को प्यार।
नाम है मेरा ‘श्रेया’ ये जानो,
सीख-खोज से दुनिया जानो।

श्रेया
छोटी सी मास्टर प्लानर

सपनों में मैं करती हूँ खोज,
बनाती हूँ नया, जोड़ती हूँ हर कोना।
सिंहासन, पुल, और ऊँची दीवार,
हर रचना में छुपी है मेरी पहचान।

इंजन, मशीन, या हर बड़ा यंत्र,
मेरे हाथों से चलता है सब कुछ।
हर परियोजना में मैं होती हूँ जुटी,
काम को करती हूँ मैं हर समय सच्ची।

दूर हो या पास, हर काम को सुलझाऊँ,
हर मुश्किल को सही रास्ते से समझाऊँ।
मैं इंजीनियर श्रेया, करती हूँ हर काम,
मेरे मेहनत से बदलती है हर शाम।

श्रेया
नन्ही पायलट

सवेरा हो या रात की बात,
बादलों के बीच मेरी होती उड़ान खास।
चौड़े पंख, कंट्रोल मेरे हाथ,
सुबह से रात तक चलता मेरा साथ।

“अपनी सीट बेल्ट बाँध लो,” मैं हँसकर कहती,
नीले आसमान में सबको ले उड़ती।
दूर-दराज़ देशों की सैर कराऊँ,
मैं नन्ही पायलट, सबका सपना सच्चा बनाऊँ।

नाम है मेरा ‘श्रेया’, मैं हूँ आसमान की सितारा,
उड़ान मेरी तेज़, सपनों से है मेरा सहारा।

श्रेया
नन्ही सुपरगर्ल

पीठ पर है केप, हाथों में ताक़त,
शहर से लेकर देश तक मेरी है हिम्मत।
उड़ती हूँ मैं ऊँची हवाओं में,
सपनों को सच कर दूँ पल भर में।

स्कूल बस गिर रही थी नीचे,
घबराने की कोई बात न थी पीछे।
पकड़ लिया मैंने वो बस प्यारी,
सब बच्चों की जान बचाई सारी।

हूँ मैं सुपरगर्ल, बहादुर और न्यारी,
उम्मीद जगाऊँ हर दिल में उजियारा।
नाम है मेरा 'श्रेया', सबकी मैं सितारा,
हर दिल में भरूँ मैं उजियारा।

श्रेया
बिज़नेस वुमन

मैं हूँ बाज़ार की सबसे बड़ी सितारा,
मेहनत और दिमाग से बढ़ाती कारोबार सारा।
दिमाग तेज़, सोच बड़ी, हर प्लान पे हूँ मैं सवार,
बिल्ड करती हूँ एम्पायर, जो हो सबसे बहार।

दुनिया को जीतने का है मेरा पैगाम,
कदम कदम बढ़ाती, बनाती नया काम।
धंधा मेरा चलता जैसे हो बग़ीचा हरा,
मेहनत और जुनून से चमकता मेरा सितारा।

स्ट्रैटेजी मेरी क्लियर, दिल है बहुत बड़ा,
कभी हार नहीं मानती, बस करती काम बढ़ा।
'श्रेया' है नाम मेरा, मैं हूँ बड़ी खिलाड़ी,
बिजनेस की दुनिया की असली महारथी।

श्रेया
नन्ही फायरफाइटर

लाल फायर ट्रक है तैयार खड़ी,
मजबूत बूट पहन, मैं हूँ बड़ी।
भागती हूँ बचाने हर एक जान,
पूरी ताक़त से करती हूँ मदद का काम।

पानी से बुझाऊँ जलती लपटें,
भीड़ को दिलाऊँ राहत की थपकें।
सायरन बजे, तालियाँ गूंजें,
साहस की कहानियाँ सबको लुभाएँ।

मैं हूँ फायरफाइटर, निडर और नेक दिल,
बचाऊँ हर ज़िंदगी, यही है मेरा सिलसिला।
नाम है मेरा 'श्रेया', मैं हूँ सबकी सहारा,
साहस के साथ करती हर मुश्किल पार।

श्रेया
ज्ञान की रौशनी

“सुप्रभात बच्चों,” मैं मुस्कान से कहती,
आओ सीखें, बढ़ें, जोश से चलती।
A, B, C और दया का पाठ,
कहानियाँ, गीत — ज्ञान की बात।

हम सपने देखें बड़े, नाम लिखें सुनहरा,
हर बच्चा चमके, यही है मेरा पहरा।
हर दिन सीखने की हो नई कहानी,
मैं हूँ शिक्षिका, सबकी प्यारी।

नाम है मेरा ‘श्रेया’, मैं हूँ ज्ञान का सितारा,
हर बच्चे के दिल में जगाती उजियारा।

श्रेया
नन्ही वैज्ञानिक

मैं बनी वैज्ञानिक श्रेया,
सोचूँ समझूँ, करूँ ना कोई गड़बड़।
नव-विज्ञान की राह बनाऊँ,
रोज़-रोज़ कुछ नया मैं पहचानूँ।

बनाया रोबोट, उड़ाया रॉकेट,
हर प्रयोग से मिलती मुझे पॉज़िटिव पॉकेट।
आसमान को छूने का सपना सच्चा,
मैं बनी वैज्ञानिक सच्ची और अच्छी।

पढ़ाई को माना अपना हथियार,
ज्ञान से करूँ दुनिया को तैयार।
जहाँ हो सवाल या हो अंधेरा,
वहीं पहुँचे 'श्रेया' ज्ञान का सवेरा।

श्रेया
नन्ही शेफ

सपनों मैं बनाऊँ मज़ेदार पकवान,
जादुई हाथों से करूँ हर दिन महान।
मसालों और चटपटे स्वादों से भरूँ थाली,
हर रेसिपी हो एक नई कहानी प्यारी।

चम्मच चलाऊँ, स्वाद सजाऊँ,
हर प्लेट में हँसी बिखराऊँ।
मैं हूँ शेफ, रंग-बिरंगे स्वादों से भरी,
हर दिन खुशी का स्वाद परोसा मेरी।

मैं श्रेया, हर पकवान में स्वाद लाऊँ,
स्वाद और खुशबू से भर दूँ हर शाम।
खाना पकाने में मेरा है जादू,
हर व्यंजन में छुपा हो प्यार का रंग।

श्रेया
नन्हीं अभिनेत्री

सपनों में जीऊँ हज़ारों ज़िंदगी,
कभी योद्धा, कभी हीरोइन, कभी बंदगी।
पोशाक पहन, रौशनी में आऊँ,
नई कहानी बनाकर सबको सुनाऊँ।

मंच पर उतरूँ हिम्मत से भरपूर,
किरदारों को जीवंत कर दूँ मैं ज़रूर।
मैं हूँ अभिनेत्री, जोश से भरी,
हर सपना करती हूँ पर्दे पर सच्ची!

संगीन सीन हो या हल्की हंसी,
मेरे अभिनय में छुपी है असली खुशी।
दूर हो या पास, हर भूमिका निभाऊँ,
मैं श्रेया, हर पात्र को साकार कराऊँ।

श्रेया
क्रिकेटर

सुबह-सुबह मैं मैदान जाऊँ,
बैट-बॉल से खेल दिखाऊँ।
बॉल जैसे ही मुझ तक आए,
सीधा चौका दूर उड़ाए।

गेंद को देखकर दिल मुस्काए,
हर बार नया शॉट लग जाए।
दौड़-दौड़कर रन बनाऊँ,
सारे मैच में चमक दिखाऊँ।

श्रेया के रन से बढ़ता स्कोर,
भीड़ करे जोर-जोर से शोर।
हर चौका लगे जैसे ताली,
टीम को जीत मिले निराली।

तुम क्या बनने का सपना देखती हो?

WWW.kiddostorybook.com
+91 7016323282
Support@Kiddostory.com

A premium quality product by
Kiddo Story Time

Scan for App